ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -20 अंक -5 जून-I-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. -10.00

एक अनोखा, दिव्य एवं भव्य सम्मान समारोह

ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के सदस्यों के लिए

ब्रह्माकुमारी संस्थान में समर्पित रूप से सेवा देने वाले बह्माकुमार भाई एवं ब्रह्माकुमारी बहनों के सिल्वर जुबली दिव्य सम्मान समारोह में बायें से ब्र.कु. ईश्वर, ब्र.कु. मोहन, ब्र.कु. लालजी, ब्र.कु. सूर्य, ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. केशव, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, संस्थान की कार्यक्रम प्रबंधिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. गीता, राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू, सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. नेहा,अहमदाबाद, राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. सविता, राजयोगिनी ब्र.कु. लीला, राजयोगिनी ब्र.कु. प्रीति तथा राजयोगिनी ब्र.कु. कल्पना।

- शांतिवन के डायमण्ड हॉल सभागार में सिल्वर जुबली दिव्य सम्मान समारोह का आयोजन
- पिछले 25 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ में सम्पूर्ण पवित्र जीवन जीने वाले कुमार-कुमारियों का मनाया गया रजत जयंती समारोह

शांतिवन। शांतिवन के डायमण्ड हॉल सभागार का वो मनमोहक और विहंगम दृश्य जो बरबस सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा था। खचाखच भरे हॉल के मध्य से समर्पित 25 ब्रह्माकुमारी बहनें और 6 ब्रह्माकुमार भाई जब अंदर प्रवेश कर रहे थे तब उनके साथ बहुत से भाई-बहनें डांडिया खेलते उनको ले आ रहे थे। ये मनभावक दृश्य सबके मन को बहुत सुहा रहा था। तत्पश्चात् सभी भाई-बहनें स्टेज पर आकर खड़े हुए। माना कि जैसे डायमण्ड सभागृह में देवी-देवतायें उतर आये हों, ऐसा दिव्य दृश्य सभी अपने मन रूपी कैमरे में कैद कर लेना चाहते थे। भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों से आये समाज के पाँच हज़ार दर्शकों ने उन सभी भाई बहनों को अपने दिल की शुभकामनाएं दी। कच्छ कड़वा पाटीदार समाज से सम्बन्ध रखने वाले पूरे भारत वर्ष में विभिन्न स्थानों पर स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों तथा ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय में अपने जीवन को सम्पूर्ण रूप से ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित करने वाले ब्रह्माकुमार भाई-ब्रह्माकुमारी बहनों का रजत जयंती समारोह मनाया गया। जिसमें प्रमुख रूप से 25 बहनें और 6 भाई शामिल थे। इस उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्रह्माकुमार निर्वैर ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि आपने जीवन को ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित किया और साथ ही अपने पूरे परिवार को भी इस समारोह में शामिल कराया ताकि उन्हें भी यहाँ की सेवाओं के बारे में पता चले कि आप यहाँ किस तरह की सेवा करते हैं। आप सभी वे आत्मायें हैं जिन्होंने बचपन में ही परमपिता परमात्मा को पहचान लिया और लौकिक जीवन को अलौकिक बना लिया। पटेल समाज के लिए बड़े गौरव की बात है कि उनके यहाँ से आत्मायें निकली हैं और परमात्मा को सर्वस्व अर्पण कर दिया। आपके इन दिव्य नेत्रों को मैं कितना ना सराहूँ जिन्होंने इनसे परमात्मा को पहचाना है। साथ ही उन्होंने अपनी तरफ से भाई-बहनों को सौगात भी प्रदान की। - शेष पेज 3 पर

कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के आये हुए पाँच हज़ार गणमान्य भाई बहनों का अभिवादन करते हुए राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर। साथ हैं ब्र.कु. मुन्नी दीदी, ब्र.कु. शीलू दीदी, ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. डॉ. सविता, ब्र.कु. लीला, ब्र.कु. प्रीति तथा ब्र.कु. कल्पना।

- परमात्म अवतरण का संदेश देने हेतु भारत के विभिन्न प्रांतों में सेवायें दे रही समर्पित राजयोग शिक्षिकाओं का संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जी एवं वरिष्ठ भाई बहनों द्वारा किया गया सम्मान
- कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के दिव्य समारोह में भारत के विभिन्न प्रांतों से शरीक हुए समाज के पाँच हज़ार लोग
- इस अलौकिक वातावरण में किया गया सम्मान सबको भाया
- संध्याकाल में संगीत तथा नृत्यों द्वारा मनोरंजन किया गया